

प्रेषक,

आर0डी0पालीवाल,
सचिव न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निबन्धक,
लोक सेवा अधिकरण,
25-ए, फ़ेज-2
बसन्त बिहार, देहरादून

न्याय अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 05 फरवरी, 2008

विषय- उत्तराखण्ड लोक सेवा अधिकरण हेतु सृजित 03 अस्थायी पदों की निरन्तरता बढ़ाया जाना ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या- 42/xxxvi(1)-एक/2007-326/2001 दिनांक 27 फरवरी, 2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या- 12-एक(4)/छत्तीस(1)/न्याय अनुभाग/2004 दिनांक 6-8-2004 द्वारा सृजित वाहन चालक का 01 पद एवं शासनादेश संख्या- 65-एक(4)/छत्तीस(1)/05-326/01 दिनांक 28-11-2005 द्वारा सृजित वरिष्ठ लिपिक के 02 पदों की निरन्तरता वर्तमान शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन, यदि वे बिना पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाएं, दिनांक 1-3-2008 से 28-2-2009 तक बढ़ाये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- उक्त पर होने वाला व्यय आगामी वित्तीय वर्ष 2008-2009 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या- 04के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-04 लोक सेवा अधिकरण-00" के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या- ए-1-1270/76-दस, दिनांक 20 जुलाई, 1968 सपठित कार्यालय ज्ञाप संख्या- ए-2-877/दस-92-24(8)/92 दिनांक 7-11-92, (यथा उत्तराखण्ड राज्य में प्रवृत्त) द्वारा प्रशासकीय विभागों को प्रतिनिधानित किये गये अधिकारों के अन्तर्गत प्रसारित किये जा रहे हैं ।

भवदीय,


(आर0डी0पालीवाल)
सचिव,

संख्या- 43 (V) / xxxvi(1)एक / 08-326 / 2001 समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग-5/कार्मिक अनुभाग/एन0आई0सी0/गार्ड फाईल ।

आज्ञा से


(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव,